अंदर के पेजों पर पढ़ें
2 आरक्षण का दायरा
6
7 सलमान-चिरंजीवी की गॉडफादर का धमाका, 5 वें दिन की करोड़ों ...

रणजीत टाइम्स
RNI-NO.MPHIN/2015/64585
साप्ताहिक अख़बार
संपादक-गोपाल गावंडे

वर्ष - 08 अंक-41 इन्दौर , प्रति मंगलवार, 11 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2022 पृष्ठ-8 मूल्य -2

मुलायम सिंह यादव का निधन

समाजवादी पार्टी के संरक्षक और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया है। वह 82 वर्ष के थे और उन्होंने गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में आखिरी सांस ली। काफी दिनों से मुलायम सिंह यादव बीमार चल रहे थे और वह आईसीयू में एडमिट थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने खुद मुलायम सिंह के निधन की सूचना दी। अखिलेश यादव ने सपा के ट्विटर हैंडल के माध्यम से कहा कि मेरे आदरणीय पिता जी और सबके नेता जी नहीं रहे।

केदारनाथ के पास बारिश के बाद लैंडस्लाइड, पहाड़ से खिसकी चट्टान टेंट पर गिरी, एक की मौत

केदारनाथ के पास लैंडस्लाइड के दौरान पहाड़ से खिसकी एक चट्टान टेंट पर गिर गई। हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना जंगलचट्टी इलाके में सोमवार तड़के हुई। घटना के समय दो लोग टेंट में सो रहे थे। एक की मौके पर ही मौत हो गई और दूसरा व्यक्ति बाल-बाल बच गया। अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड की पहाड़ियों में पिछले तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है, जिससे लैंडस्लाइड का खतरा बढ़ गया है।

भारी बारिश के कारण नोएडा, गाजियाबाद के सभी स्कूल रहेंगे बंद

उत्तर प्रदेश के गौतम बौद्ध नगर और गाजियाबाद जिले के सभी स्कूल सोमवार को भारी बारिश के कारण बंद रहेंगे। मौसम विभाग की चेतावनी और लगातार पिछले तीन दिनों से भारी बारिश के कारण प्रशासन ने यह फैसला लिया है। वहीं भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने 10 अक्टूबर को यूपी के कई जिलों में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना जताई है।

मौसम विभाग के अनुसार, 12 अक्टूबर तक उत्तर प्रदेश के अलग-अलग जिलों में गरज के साथ भारी बारिश की संभावना है। 10 अक्टूबर को राज्य के अलग-अलग स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

मौसम विभाग ने यूपी के कई जिलों के लिए ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। यूपी के झांसी, जालौन, बांदा, एटा, आगरा, मथुरा, अलीगढ़, गौतम बुद्ध नगर, बुलंदशहर, संभल, अमरोहा, हापुड़, हमीरपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात, उन्नाव, हरदोई, कन्नौज, औरैया, इटावा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद, गाजियाबाद और मेरठ जिले में बारिश के लिए येलो अलर्ट जारी किया गया है।

इंदौर में बनेगा सोया सीड्स पार्क

हाई क्वालिटी के सीड्स तैयार होंगे, देश के किसानों को मिलेगा फायदा; जल्द मिलेगी जमीन

स्वच्छता में देश में छह बार परचम लहराने वाले इंदौर में जल्द ही सोयाबीन सीड्स पार्क बनाया जाएगा। इस सोयाबीन हब में हाई क्वालिटी के बीज तैयार होंगे जिसका फायदा मप्र के किसानों को ही नहीं बल्कि देशभर के किसानों को मिलेगा। अच्छी क्वालिटी के बीज तैयार होने से प्रोडक्टविटी बढ़ेगी और एक्सपोर्ट को भी बढ़ावा मिलेगा। इससे किसान तो आत्मनिर्भर बनेंगे ही देश को भी भी फायदा होगा और प्रति हेक्टेयर उत्पादन बढ़ेगा। सरकार सोयाबीन प्रोसेसर्स एसोसिशन ऑफ इंडिया से समन्वय कर इंदौर में आईटी पार्क की तरह सोया सीड्स पार्क स्थापित करेगी। इसके लिए जल्द ही जमीन उपलब्ध कराएगी।

यह बात प्रदेश के कृषि मंत्री कमल पटेल ने ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर में आयोजित सोयाबीन इंटरनेशनल कॉन्क्लेव में कही। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों को अच्छी गुणवत्ता वाला बीज देगी जिससे तो उत्पादन अच्छा होगा व किसानों की आय बढ़ेगी।

देश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प 'आत्मनिर्भर भारत' में किसानों का सोयाबीन में खासा योगदान है। हमारा प्रदेश सोया प्रदेश कहलाता है। देश में सबसे ज्यादा 50% से ज्यादा सोया उत्पादन मप्र में होता है। मप्र का बीज पूरे महाराष्ट्र, कर्नाटक और राजस्थान जाता है इसलिए मप्र में मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में सोपा से आह्वान किया है कि इंदौर में सोयाबीन के बीज बनाने के लिए इण्डस्ट्रियल हब बने।

खेती के साथ व्यापार-व्यवसाय व उद्योग भी लगा सकेंगे किसान

उन्होंने कहा कि जैसे आईटी पार्क है वैसे ही सोया बीज पार्क बनाया जाएगा। उसके लिए सरकार जमीन भी उपलब्ध कराएगी। सोपा ने इसके लिए सहमति दी है। सोयाबीन सीड्स पार्क में अच्छा बीज बनेगा तो उत्पादन बढ़ेगा व किसानों की आय बढ़ेगी। किसान आत्मनिर्भर होगा तो देश भी आत्मनिर्भर होगा और किसानों की आय दोगुनी होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी किसानों को एमएसपी नहीं एमआरपी बना रहे हैं। किसान खेती भी करेगा, व्यापार-व्यवसाय भी करेगा और उद्योग भी लगाएगा ताकि गांवों में अन्य को भी रोजगार मिलेगा। किसानों की आय बढ़े इस पर और भी मंथन कर रहे हैं। सोपा ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए अच्छी टेक्नोलजी के साथ बीजों को तैयार किया है। सोपा और भी अनुसंधान करे, किसानों को अच्छे किस्म के बीज बनेंगे तो किसान प्रोत्साहित होंगे।

एक्सपोर्ट चार्ज में राहत को लेकर केंद्र को लिखा पत्र

उन्होंने कहा कि एक्सपोर्ट व परिवहन शुल्क में रियायत को लेकर केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। देश से जितना ज्यादा एक्सपोर्ट होगा उतना देश को फायदा होग। ऐसे में हमारे यहां की इण्डस्ट्री भी पनपेगी और किसानों को अच्छे रेट भी मिलेंगे। सरकार छोटे किसानों को चने, मूंग आदि के निःशुल्क बीज उपलब्ध कराती है व सबसिडी भी देती है। यह सरकार ही किसानों की है। सोयाबीन सीड्स पार्क बनने से देश में बीज बढ़ेगा और प्रति हेक्टेयर कृषि उत्पादन बढेगा।

फाइव ट्रिलियन इकोनामी बनाने के कम करना होगा इम्पोर्ट : गडकरी

कॉन्क्लेव में केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी वचुर्अली उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि फाइव ट्रिलियन इकोनामी बनाने के लिए देश में आयात कम करना होगा। भारत खाद्य तेलों का सबसे बड़ा आयातक है। देश में सोयाबीन की उत्पादकता अमेरिका और दक्षिण अमेरिकी देशों के मुकाबले काफी कमजोर है। अमेरिका, ब्राजील, अर्जेंटीना में प्रति एकड़ सोयाबीन 26 से 30 क्विंटल होती है हमारे यहां सिर्फ 5 क्विंटल पैदावार होती है। ऐसे में बीजों के विकास पर ध्यान देना होगा।

गडकरी ने सुझाव दिया कि प्रमुख सोयाबीन उत्पादक राज्य होने के नाते मप्र को अलग से सोया नीति बनाना चाहिए। उन्होंने सोया से खाद्य उत्पादों के विकास से लोगों को अच्छा प्रोटीन मिल सकेगा। देश का सोया मील विदेश में जाने की बजाय यहीं उपयोग होगा और अच्छी कीमतें मिलेंगी। उन्होंने किसानों की स्थिति सुधारने के लिए अब कृषि उपजों से ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन बनाने जैसे प्रोजेक्ट पर काम कर रही है। किसान न केवल अन्नदाता बल्कि उर्जा प्रदाता भी बन सकेगा।

एक्सपोर्ट में छूट दें सरकार : डॉ. जैन

सोपा के चेयरमेन डॉ. डेविश जैन ने विदेश से आयात होने वाले खाद्य तेलों की मात्रा पर नियंत्रण का मांग करते हुए कहा कि इससे किसानों को सोयाबीन का सही मूल्य मिल सकेगा। सोयामील निर्यात पर सरकार को निर्यात इन्सेंटिव के रूप में कुछ छूट या राहत देना चाहिए। इससे भारतीय सोया मील विदेशी प्रतिस्पर्धा में टिक सकेगा। निर्यात बढ़ेगा तो किसानों को अच्छी कीमत मिलेगी। सोपा ने विभिन्न मांगों के साथ अगले महीने तेल आयात पर नियंत्रण और अन्य मांगों को लेकर केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात की बात भी कही।

ज्तो किसान बांस लगाने पर होगा मजबूर : पटेल

महाराष्ट्र के किसान नेता पाशा पटेल ने कहा कि यदि किसानों को सोयाबीन की कीमतें सही नहीं मिली तो वह सोयाबीन उगाना छोड़कर बांस उगाने पर जोर देगा। देश में प्रति एकड़ सोयाबीन का उत्पादन 2 से 3 क्विंटल से ज्यादा नहीं है जबकि विदेशों में 20 से 25 क्विंटल तक उत्पादन है।

इन उद्योगों को मिले अवार्ड

देश के दस सोयाबीन उद्योगों को सोया प्रोसेसिंग के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए कॉन्क्लेव में पुरस्कृत किया गया। सोयामील के सबसे ज्यादा एकसपोर्ट के लिए अवि एग्रो बिजनेस, प्रेस्टिज फीड मील और गुजरात अंबुजा क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा पुरस्कार मिला। सोयाबीन प्रोसेसिंग के लिए भी तीनों उद्योग पुरस्कृत हुए। इसी के साथ मर्चेंट एक्सपोर्ट अवार्ड गुजरात अंबुजा एक्सपोर्ट को मिला। एक्सपोर्टर और वेल्यु एडेड अवार्ड सोनिक बायोकेम एक्सट्रेक्शन, अडानी विलमर और अवि एग्रो को दिया गया।

सम्पादकीय

आरक्षण का दायरा

अलग-अलग सामाजिक वर्गों के लिए आरक्षण की व्यवस्था लंबे समय से बहस का मुद्दा रही है।हालांकि इस बीच विभिन्न मानकों के मुताबिक समाज के कई तबकों को आरक्षण के दायरे में लाया गया, मगर भारत में जटिल सामाजिक बनावट के चलते किसी व्यवस्था के मामले में अंतिम निष्कर्ष तक पहुंचना मुश्किल रहा है।

मसलन, लंबे समय से यह विवाद का विषय रहा है कि हिंदू पहचान से अलग होकर अगर कोई दलित व्यक्ति किसी अन्य धर्म को अपना लेता है तो उसे आरक्षण की सुविधा मिलनी चाहिए या नहीं! दरअसल, इस सवाल का स्रोत वह व्यवस्था है, जिसमें अगर कोई हिंदू दलित अपनी धार्मिक पहचान को त्याग कर बौद्ध या सिख धर्म की दीक्षा ले लेता है तो उसे आरक्षण की सुविधा पूर्ववत मिलती रहती है, लेकिन अगर उसने ईसाइयत या इस्लाम का दामन थामा तो इस दायरे से बाहर हो जाएगा। इसे सामाजिक कारणों से मिलने वाले आरक्षण में विभाजित दृष्टि बताते हुए ईसाई और मुसलिम बने दलितों के लिए भी आरक्षण का प्रावधान करने की मांग की गई थी।

इस मसले पर एक याचिका लंबे समय से अदालत में है और सुप्रीम कोर्ट ने अगली सुनवाई से पहले केंद्र सरकार से अपना रुख स्पष्ट करने को कहा था। मगर केंद्र सरकार के ताजा फैसले से लगता है कि वह जल्दबाजी में नहीं है। शुक्रवार को सरकार ने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश केजी बालकृष्णन की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन कर दिया, जो उन नए समूहों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की जांच करेगा जो ऐतिहासिक रूप से इस वर्ग से संबंधित होने का दावा करते हैं, मगर संविधान के अनुच्छेद 341 के तहत राष्ट्रपति के आदेशों में उल्लिखित धर्मों के अलावा किसी अन्य धर्म में दीक्षित हो गए हैं।

यों दलित समुदाय के उन लोगों के लिए भी आरक्षण की मांग होती रही है, जिन्होंने किसी वजह से ईसाई और इस्लाम धर्म अपना लिया था। इसकी वजह यह बताई गई कि चूंकि इन दोनों धर्मों में मतांतरित होने के बावजूद दलितों की सामाजिक स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया और उन्हें वहां भी जातिगत वंचना से आजादी नहीं मिली, इसलिए उन्हें आरक्षण से वंचित रखने के प्रावधान पर पुनर्विचार हो। इसके अलावा, इस संदर्भ में अगर अनुसूचित जनजातियों के लिए यह नियम शिथिल है, तो अनुसूचित जातियों को भी आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

जाहिर है, यह एक जटिल मुद्दा रहा है और इस पर विस्तृत अध्ययन के बाद ही यह सुनिश्चित हो सकेगा कि ईसाई और इस्लाम में मतांतरित दलितों को अनुसूचित जाति के लिए निर्धारित आरक्षण का लाभ मिले या नहीं। इस मसले पर एक आपत्ति यह जताई जाती रही है कि अगर मौजूदा ढांचे में ईसाई और इस्लाम अपनाने वाले दलितों को शामिल किया गया, तो पहले से ही इस समूह की कमजोर जातियों के लिए आरक्षण का दायरा और अवसर कम हो जाएंगे।

इसके मद्देनजर एक विकल्प यह दिया जाता रहा है कि अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण में उप-वर्ग का प्रावधान करके ईसाई और मुसलिम दलितों के लिए व्यवस्था की जा सकती है। लेकिन यह देखने की बात होगी कि अन्य पिछड़ा वर्ग की तरह अनुसूचित जाति वर्ग में भी क्या ऐसी व्यवस्था संभव होगी। बहरहाल, अब यह इस पर निर्भर लगता है कि लंबे समय से इस उलझे हुए मुद्दे के हल के लिए गठित आयोग क्या सुझाव देता है। स्वाभाविक ही सरकार से यह अपेक्षा होगी कि वह इस पर अपना रुख स्पष्ट करे, ताकि कोई सर्वमान्य समाधान सामने आने का रास्ता साफ हो।

**संपादक
गोपाल गावंडे**

IMAGE COURTESY: Twitter

समृद्धि में संस्कृति का योगदान

विकसित देशों ने अपनी संस्कृति की अर्थव्यवस्था को मूर्त रूप देने में काफी कामयाबी हासिल की है।

उसमें मूल्यवर्धन कर उसे बहुत अच्छे तरीके से प्रोत्साहित किया है, इसीलिए अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों के सकल घरेलू उत्पाद में सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग का बहुत अच्छा योगदान है। भारत में अभी तक संस्कृति की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है। हमारे देश में विभिन्न कलाओं का ज्ञान अमूर्त रूप में तो उपलब्ध है, पर उन्हें विकसित कर मूर्त रूप प्रदान करने और उनसे पूरे विश्व को अवगत कराने की आवश्यकता है।

भारतीय संस्कृति में त्योहारों का विशेष महत्त्व है। ये त्योहार भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए भी बड़ी खुशखबरी लाते हैं, क्योंकि देश के सभी नागरिक इन त्योहारों के शुभ अवसर पर कुछ न कुछ खरीदारी करते ही हैं। इससे देश की अर्थव्यवस्था को बल मिलता है। आंकड़ों के मुताबिक इन त्योहारों के दौरान देश में एक से लेकर दो लाख करोड़ रुपए के बीच खुदरा व्यापार होता है, जो पूरे वर्ष के दौरान होने वाले खुदरा व्यापार का एक बहुत बढ़ा हिस्सा होता है। त्योहारों के दौरान रोजगार के लाखों नए अवसर निर्मित होते हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी से लेकर ई-कामर्स तक, खुदरा व्यापार से लेकर थोक व्यापार तक, विनिर्माण इकाईयों से लेकर सेवा क्षेत्र तक- विशेष रूप से पर्यटन, होटल और परिवहन आदि, लगभग सभी क्षेत्रों में न केवल व्यापार में अतुलनीय वृद्धि दर्ज होती है, बल्कि रोजगार के नए अवसर भी निर्मित होते हैं।

भारत में पिछले पांच-छह माह से लगातार वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण एक लाख चालीस हजार करोड़ रुपए के आसपास बना हुआ है। अक्तूबर में इसके डेढ़ लाख करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर जाने की उम्मीद की जा रही है, क्योंकि दशहरा और दिवाली जैसे त्योहार इस माह में आते हैं।

त्योहारों के मौसम में न केवल टीवी, फ्रिज, वाशिंग मशीन, कपड़े, सोना, चांदी से निर्मित कीमती आभूषणों की खरीद बढ़ती है, बल्कि दुपहिया और चार पहिया वाहनों के साथ-साथ कई नागरिक नए मकान खरीदना भी शुभ मानते हैं। कुल मिलाकर चारों ओर लगभग सभी क्षेत्रों में उत्साह भरा माहौल रहता है। इन त्योहारों का आध्यात्मिक और सामाजिक महत्त्व तो बना ही रहता है।

भारत के बारे में अगर यह कहा जाए कि यहां एक तरह से संस्कृति की अर्थव्यवस्था ही चल पड़ी है, तो यह अतिशयोक्ति न होगी। वैसे भी पिछले हजारों सालों से भारत की संस्कृति संपन्न रही है और अगर इसको मूल में रखकर आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ावा दिया जाएगा, तो यह देश-हित का कार्य होगा। इसलिए भारत की जो अस्मिता, उसकी पहचान है, उसे साथ लेकर आगे बढ़ने में ही देश का भला होगा।

उदाहरण के तौर पर हमारे देश में कुछ बड़े त्योहारों को ही ले लीजिए, ये भी सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था का हिस्सा हैं। इन्हें कैसे व्यवस्थित किया जा सकता है, ताकि देश के नागरिकों में इन त्योहारों के प्रति उत्साह बढ़े और इन्हें मनाने का पैमाना बढ़ाया जा सके और इन त्योहारों पर विदेशी पर्यटकों को भी देश में आकर्षित किया जा सके, इसके बारे में आज विचार किए जाने की आवश्यकता है।

भारत की सांस्कृतिक विविधिता और संपन्नता को सबसे आगे लाकर हम भारत को एक सांस्कृतिक महाशक्ति के रूप में परिवर्तित कर सकते हैं। यह हमारा उद्देश्य और आकांक्षा होनी चाहिए। भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं में मुख्य रूप से शामिल हैं- खाद्य संस्कृति, संगीत, नृत्य, ललित कला, सिनेमा, सांस्कृतिक पर्यटन और धार्मिक पर्यटन, आदि। इन सभी पहलुओं को विभिन्न त्योहारों के दौरान प्रोत्साहित किए जाने की आज महती आवश्यकता है। भारत में खाद्य संस्कृति अपने आप में एक विस्तृत क्षेत्र है।हर देश की अपनी खाद्य संस्कृति होती है। भारत तो इस मामले में पूरे विश्व में सबसे धनी देश है। हमारे यहां पुरातन काल से देश के हर भाग की, हर प्रदेश की, हर गांव की, हर जाति की अपनी-अपनी खाद्य संस्कृति है, इसको हम पूरे विश्व में प्रोत्साहित कर सकते हैं। त्योहारों के दौरान तो भारत में खाद्य संस्कृति अपने पूरे उफान पर रहती है, और इसके विभिन्न पहलुओं के साथ त्योहारों के दौरान प्रोत्साहित किया जा सकता है।किसी समाज का अगर अपनी संस्कृति के प्रति रुझान नहीं है, तो उस समाज की संस्कृति का स्तर नीचे गिरता जाता है। यही स्थिति देश की संस्कृति पर भी लागू होती है। भारत में एक समय में नृत्य कला इतनी संपन्न थी कि लगभग सभी राजे-रजवाड़ों और सामाजिक-धार्मिक समारोह में नृत्य के बिना कार्य प्रारंभ और संपन्न ही नहीं होता था। पर, आज यह कला काफी सिकुड़ गई है।

संगीत, नृत्य, काव्य, साहित्य मिलकर देश की विभिन्न कलाओं को मूर्त रूप देते हैं। संस्कृति के अमूर्त रूप को जब तक मूर्त रूप नहीं दिया जाता, तब तक आर्थिक पक्ष इसके साथ नहीं जुड़ पाता। कला के क्षेत्र में भारत में बहुत ही सूक्ष्म ज्ञान उपलब्ध है। इस प्रकार के ज्ञान को मूर्त रूप देने की जरूरत है। आज लोक नृत्य करने वालों की देश में कोई पूछ नहीं है।

लोक नृत्य की कई विधाएं तो समाप्त हो चुकी हैं। इस प्रकार हम अपनी कलाओं को भूलते जा रहे हैं। देश में बुनकर आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। इनकी कला को जीवित रखने के लिए जुलाहों को आगे बढ़ाने की जरूरत है। इस प्रकार की कला को आगे बढ़ाने के लिए न केवल देश में विभिन्न स्तरों पर सरकारों को, बल्कि निगमित सामाजिक जवाबदेही के अंतर्गत विभिन्न कंपनियों और समाज को भी आगे आने की आवश्यकता है।

विश्व के कई देश अपनी सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था का आकलन कर चुके हैं और लगातार इस ओर पूरा ध्यान दे रहे हैं। दुनिया के अलग-अलग देशों में इस उद्योग को आंकने के पैमाने उपलब्ध हैं। भारत में अभी इस क्षेत्र में ज्यादा काम नहीं हुआ है, क्योंकि हमारी विरासत बहुत बड़ी है और बहुत बड़े क्षेत्र में फैली हुई है। दुनिया भर में इसे सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग का नाम दिया गया है।

यूनेस्को भी सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग को वैज्ञानिक तरीके से आंकने का प्रयास कर रहा है और उसके एक आकलन के अनुसार, विश्व के सकल घरेलू उत्पाद में चार प्रतिशत हिस्सा सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग से आता है। अमेरिका जैसे देशों की जीडीपी में तो सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग का योगदान बहुत अधिक है।

एक आकलन के अनुसार, दुनिया भर में सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग एशिया पैसिफिक, उत्तरी अमेरिका, यूरोप और भारत में विकसित अवस्था में पाया गया है। इस उद्योग में विश्व की एक प्रतिशत आबादी को रोजगार उपलब्ध हो रहा है। भारत में चूंकि इसके आर्थिक पहलू का मूल्यांकन नहीं किया जा सका है, इसलिए देश में इस उद्योग में उपलब्ध रोजगार और देश के सकल घरेलू उत्पाद में योगदान संबंधी पुख्ता आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं।विकसित देशों ने अपनी संस्कृति की अर्थव्यवस्था को मूर्त रूप देने में काफी कामयाबी हासिल की है। उसमें मूल्यवर्धन कर उसे बहुत अच्छे तरीके से प्रोत्साहित किया है, इसीलिए अमेरिका और ब्राजील जैसे देशों के सकल घरेलू उत्पाद में सांस्कृतिक और रचनात्मक उद्योग का बहुत अच्छा योगदान है। भारत में अभी तक संस्कृति की अर्थव्यवस्था पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया गया है।हमारे देश में विभिन्न कलाओं का ज्ञान अमूर्त रूप में तो उपलब्ध है, पर उन्हें विकसित कर मूर्त रूप प्रदान करने और उनसे पूरे विश्व को अवगत कराने की आवश्यकता है, ताकि विश्व का भारत के प्रति आकर्षण बढ़े। आज के डिजिटल युग में तो यह बहुत आसानी से किया जा सकता है। कला के अमूर्त रूप को अगर हम डिजिटल जगत में ले जाकर स्थापित कर सकें तो इसे विश्व में मूर्त रूप दिया जा सकता है।इस महान कार्य में देश में लगातार प्रगति कर रहे स्टार्ट-अप उद्योग की भी मदद ली जा सकती है। साथ ही, भारतीय संस्कृति के उपरोक्त वर्णित विभिन्न पहलुओं को देश में मनाए जा रहे त्योहारों के दौरान प्रोत्साहित किए जाने की विशेष जरूरत है, क्योंकि इस दौरान देश के नागरिकों में काफी उत्साह होता है।

महिला को किया बेसुध, ले गए जेवरात और मोबाइल

पाटनीपुरा से रिक्शा में बैठाकर 56 दुकान ले गए, छोड़कर भाग निकले बदमाश

इंदौर। एमआईजी थाना क्षेत्र के पाटनीपुरा इलाके में एक महिला बाजार खरीदारी करने गई थी, जहां दो बदमाशों ने उसे रोका और बातों में उलझाते हुए रूमाल पर नशीला पदार्थ उसे जैसे ही झटका तो महिला बेसुध हो गई। बाद में दोनों उसे 56 दुकान इलाके में ले गए और उसके जेवरात व मोबाइल छिनकर भाग निकले। मामले में पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश कर रही है।

पुलिस के अनुसार पाटनीपुरा स्थित भैरो बाबा मंदिर के समीप रहने वाली 43 वर्षीय रेखा पति मोहनसिंह रघुवंशी ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि पति शासकीय स्कुल बदनावर में शिक्षक है। मैं 8 अक्टूबर को करीब 4 बजे के लगभग पाटनीपुरा मेन रोड पर कपड़ा दुकान से कपड़े लेकर दुकान से पैदल पैदल अपने घर आ रही थी। इस दौरान मैं मेहता इलेक्ट्रानिक के पास पाटनीपुरा मेने रोड पर पहुंची तभी एक लड़का आया और मुझे बोला की मैं बहुत भुखा हूँ मुझे कुछ खाने के लिए पैसे दे दो। वह जिद करने लगा तो मैंने उसे तरस का कर 50 रुपये दे दिए, तभी पीछे से एक लड़का और आया वह मुझे चाची कहने लगा । मैंने उससे कहा की मैं तेरी चाची कैसे हुई तो वह बोला कि मैं तुम्हे जानता हूं। उसी समय वह लड़का जिसे मैंने 50 रुपये दिये थे वह भी आ गया और दोंनो मुझे बातों में उलझाने लगे तथा दुसरे लड़के ने जेब से एक रुमाल निकाला और मेरे मुंह के सामने रुमाल को झटक दिया, जिससे मुझे चक्कर से आने लगे और मुझे बेसुधी जैसी होने लगी और मुझे कुछ समझ में नहीं आ रहा था।

महिला से निकलवाए जेवरात

दोनों लड़को ने मुझे एक आटो रिक्शा में बैठाया और कहीं पर ले गए। इतना ध्यान है कि वहां पर छप्पन दुकान लिखा था । मुझे बेंच पर बैठा दिया और कहा मेरे से बोले की कान के सोने के झाले अच्छे नहीं लग रहे है इसको निकाल दो मैंने बेसुधी की हालत में सोने के कान के झाले निकालकर अपने हाथ में रख लिया व दोनों बोले की यह मगंलसुत्र भी उतार दो मैंने वो भी उतार दिए तथा अपने हाथ में रख लिये उन दोनों लड़को ने मेरा मोबाईल व मेरे हाथ में लिए सोने के झाले व सोने का मंगलसुत्र चुरा लिया और भाग निकले। मैं वहीं पर बैठ गयी मुझे करीबन 10 से 15 मिनट के बीच पुरा होश आ गया। तब देखा की मेरे सोने के झाले वजनी लगभग 1 तोला व मंगलसुत्र सोने का लगभग 7 ग्राम व एक ओपो कम्पनी का मोबाइल नहीं है।

एमआईजी थाने पहुंचाया

रेखा रोने लगी तभी आस पास के लोग इक्ठठा हो गए और उन्होंने मदद करते हुए पति का मोबाईल नम्बर पुछा मैं बताया तब पति आये व मैं उनके साथ थाना तुकोगंज गई थी थाना तुकोगंज वालो ने घटनास्थल तस्दीक करते घटनास्थल थाना एमआईजी का होने से आज रेखा कल अपने पति के साथ थाने रिपोर्ट करने पहुंची। मामले में पुलिस का कहना है कि आरोपियों की तलाश की जा रही है। घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं, जिससे आरोपियों का कोई सुराग मिल सके।

घर आकर युवक को पीटा

इंदौर। एक युवक के घर जाकर बदमाशों ने उसे गालियां दी और विरोध करने पर उसे बुरी तरह पीट दिया। मामले में मल्हारगंज पुलिस ने आरोपियों पर केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार इमरान पिता कमलुद्दीन चौहान निवासी मल्हार पल्टन की रिपोर्ट पर पास में रहने वाले नावेद पिता नजमुद्दीन उर्फ नज्जू, रहीम पिता नजमुद्दीन उर्फ नज्जू और लाला पिता भोला पर केस दर्ज किया गया। कल रात को तीनों इमरान के घर पहुंचे और यह कहते हुए गाली गलौज करने लगे कि तू आजकल बहुत तेज चल रहा है। इमरान ने गालियां देने से मना किया तो उसके साथ मारपीट करने लगे। आसपास के लोग बीच बचाव के लिए आए तो उसके घर के बाहर खड़ी गाडियां गिराकर चले गए। बताया जाता है कि फरियादी और आरोपियों का पुराना विवाद चल रहा है। मामले में पुलिस आरेपियों की तलाश कर रही है।

धोखाधड़ी में फरार डॉ. रमेश बदलानी गिरफ्तार

इंदौर। मॉर्डन डेंटल कॉलेज के संचालक डॉ. रमेश बदलानी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। डॉ. बदलानी पर आस्था फाउंडेशन की कार्यकारिणी में फेरबदल कर अवैध लाभ कमाने के मामले में केस दर्ज है। पुलिस इस मामले की लंबे समय से जांच कर रही है। इस मामले में डॉ. बदलानी सहित अन्य आरोपी हैं। पुलिस ने रविवार को पहली गिरफ्तारी की है। कनाडिया पुलिस ने 7 मार्च 2022 को डॉ. बदलानी सहित 42 आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है। इन पर धारा 420 सहित विभिन्न धाराओं में प्रकरण दर्ज है।

एलएलबी छात्र की मौत में कई संदेह

इंदौर। एमजी रोड थानांर्गत नयापुरा में रहने वाले एलएलबी के छात्र राबे ने घर में ही पिता की राइफल से खुद को गोली मारकर जान दे दी। इस मामले में कई बातें संदेह पैदा कर रही है। इसके चलते पुलिस परिजनों से पूछताछ के साथ ही अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही है।

दरसअल छात्र की मौत के पांच घंटे बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस जब मौके पर पहुंची तो पाया कि राबे के खून को फर्श से साफ कर दिया गया है। परिजनों ने पूछताछ में बताया कि वह कई दिनों से डिप्रेशन में था,इसीलिए उसने पिता की लाइसेंसी बंदूक से आत्महत्या कर ली है। पुलिस ने मृतक राबे के दोनों भाई, पिता और महिला पुलिस की मदद से मां और बहनों से बातचीत की तो उन सभी ने अपनी लोकेशन अलग-अलग बताई है। पुलिस के मुताबिक घटना के समय घर में केवल तीन ही लोग थे।

अलग-अलग बिंदुओं पर जांच कर रही

इसलिए लगा रहा मामला संदिग्ध

छात्र की मौत होने के बाद पांच घंटे तक पुलिस को सूचना क्यों नहीं दी इस मामले में परिजन ज्यादा कुछ नहीं बता रहे हैं। इसी वजह से ये मामला संदिग्ध लग रहा है। वहीं एमजी रोड टीआई संतोष यादव के मुताबिक राबे पिता अतीक की मौत के मामले में पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में डॉक्टर ने स्पष्ट किया कि गोली लगने से ही राबे की मौत हुई है। गोली कनपटी से बिल्कुल सटाकर चलाई गई है। पुलिस अभी इसे स्पष्ट तौर पर आत्महत्या मानकर नहीं चल रही है।

पातालपानी के झरने से कूदा अधेड़, मौत

इंदौर। शहर के पास आने वाले पर्यटक स्थल पातालपानी में रविवार को 53 साल के व्यक्ति ने झरने से कूदकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। आत्महत्या करने का कारण अभी तक अज्ञात है। मृतक का नाम सुरेश पिता धन्नालाल है जो कोदरिया के केशव नगर का रहने वाला है।

घटना की जानकारी उस समय लगी, जब परिवार के लोग मृतक को ढूंढते-ढूंढते पातालपानी झरने तक जा पहुंचे। इस दौरान झरने के ऊपर ही मृतक की चप्पल पड़ी दिखाई दी। जिसके बाद यहां मौजूद ग्रामीणों ने मृतक को ढूंढने का प्रयास किया तो मृतक का शव झरने के आगे नदी में दिखाई दिया।

बल्लियों के सहारे उपर लाए शव-इसके बाद ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर मृतक के शव को बल्लियों के सारे बांधकर झरने से पर लाया गया। फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल भेज दिया गया है पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सड़क हादसा- युवक की मौत, साथी घायल

इंदौर। कनाडिया बायपास पर सड़क सोमवार सुबह सड़क हादसा हो गया। बस ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। इससे एक युवक की मोके पर ही मौत हो गई। वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

जानकारी के अनुसार हादसा आज सुबह बायपास पर रिसोर्ट के सामने हुआ। मृतक दीपक पिता मोतीराम पटेल (20) है, जबकि घायल उसका साथी सुरेंद्र पिता बहादुरसिंह (25) है। दोनों वाटरप्रफिंग का काम करते थे। आज सुबह दोनों को अचेत और घायल अवस्था में एमवाय अस्पताल लाया गया, जहां डॉक्टरों ने दीपक को मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दोनों बाइक से कहीं पर जा रहे थे, तभी बायपास पर निजी कॉलेज की बस ने उनकी गाड़ी को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों बुरी तरह घायल हो गए। राह चलते लोगों ने हादसा देखा तो तत्काल पुलिस और एंबुलेंस 108 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस जब्त कर ली है। वहीं मामले में मर्ग कायम कर जांच की जा रही है।

कार का टायर फटा, टक्कर से महिला घायल

समीपस्थ महू के कोतवाली थाना क्षेत्र में आने वाले सिमरोल रेलवे और ब्रिज पर कार का टायर फटने से हादसा हो गया। इस दौरान सामने से आ रही मेस्ट्रो वाहन पर सवार महिला घायल हो गई। यहां से निकलने वाले राहगीरों ने तुरंत महिला को उपचार के लिए निजी अस्पताल पहुंचाया। बताया जाता है कि इस ब्रिज पर रोजाना हादसे हो रहे हैं। लेकिन स्थानीय विभाग इस और कुछ भी ध्यान नहीं दे रहा है। आए दिन इस ब्रिज की लाइट बंद रहती है। जिसके कारण रोजाना लोग हादसे का शिकार हो रहे है। रविवार रात को भी यहां पर सिमरोल रोड की तरफ से आ रही कार का टायर अचानक फटने के चलते कार ने मेस्ट्रो पर सवार महिला को जोरदार टक्कर मार दी। जिसमें महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। जिसका निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। बताया जा रहा है कि कार का टायर फटने के दौरान यह दुर्घटना हुई है। इसके पहले भी ब्रिज पर खड़े डंपर में बाइक सवार घुस गया था। जिस कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी। लेकिन उसके बावजूद भी जिम्मेदार अधिकारी सिमरोल रेलवे ब्रिज पर ध्यान नहीं दे रहे है। बात करें ब्रिज की तो ब्रिज भी कई जगह से उखड़ा पड़ा है।

मृतक दीपक

घायल सुरेंद्र

गोलीकांड के आरोपी रासुका की कार्रवाई, जेल भेजा

इंदौर। हीरानगर थाना क्षेत्र के कबीटखेड़ी इलाके में बदमाश पर गोलियां चलाकर दहशत फैलाने के मामले में पुलिस ने विक्की उर्फ विक्रम पर रासुका की कार्रवाई करते हुए उसे सेंट्रल जेल में भेज दिया।

हीरानगर थाना क्षेत्र के आदतन बदमाश विक्की उर्फ विक्रम निमजे ,टापू नगर जिसके विरुद्ध पांच केस पहले से ही दर्ज हैं उस पर रासुका की कार्रवाई की गई है। उसने गत दिनों अपने साथियों के साथ मिलकर हीरानगर में आशु उर्फ कमलेश पिता अशोक हंसारी की हत्या के उद्देश्य से अन्धाधुंध गोलियां चलाई थीं। बदमाश की आपराधिक गतिविधियों से पीड़ित क्षेत्र के लोगों को इसके भय व अपराध से मुक्त करने हेतु बदमाश विक्की उर्फ विक्रम पर रासुका की कार्रवाई की गई है। उसे सेंट्रल जेल भेज दिया गया है।

करवा चौथ व्रत के लिए बेहद जरूरी हैं ये चीजें, एक दिन पहले ही खरीद कर ले आएं

करवाचौथ का व्रत महिलाएं अपनी पति की लंबी उम्र की कामना करके करवाचौथ का व्रत रखती है। इस बार करवाचौथ का व्रत 13 अक्टूबर को रखा जाएगा। हिंदू धर्म में करवाचौथ व्रत का काफी महत्व है। इस दिन महिलाएं पूरे दिन निर्जला व्रत रखकर रात में चंद्रमा की पूजा कर अपने पति के हाथों पानी पीकर ही व्रत खोलती हैं। करवाचौथ की पूजा पूरे विधि विधान के साथ करनी चाहिए। इसके लिए आपके पास पूजा का सारा सामान पहले से ही मौजूद होना चाहिए। करवाचौथ वाले दिन सुबह सबसे पहले उठकर माता गौरी और भगवान शिव की पूजा अर्चना की जाती है। इसका बाद शाम के समय अहोई माता की पूजा अर्चना होती है। इसलिए करवा चौथ से पहले ही आप सारा सामान ले आएं। यदि आपके पास पहले से ही पूरा सामान है तो एक बार नीचे दी गई लिस्ट से मैच कर लें।

करवाचौथ व्रत की पूजन सामग्री लिस्ट

सुबह के समय माता पार्वती और भगवान शिव का पूजा के लिए रखें ये सामान।

1. शहद
2. कच्चा दूध
3. शक्कर
4. शुद्ध घी
5. दही
6. 5 तरह की मिठाई
7. गंगाजल,
8. अगरबत्ती
9. चंदन
10. अक्षत यानी अटूट कच्चा चावल
11. माता पार्वती के लिए श्रृंगार का सामान
12. शिव पार्वती गणेशजी की तस्वीर
13. लाल फूल गौरी गणेश के लिए
14. दुर्वा गणेशजी को अर्पित करने के लिए

शाम के समय माता करवा की पूजा के लिए यह सामान जरूर कर लें-

1. दीपक
2. कपूर
3. लाल रंग की रुई से बनी गोल बत्तियां
4. मिट्टी का लोटा
5. लकड़ी का आसन
6. चांद की पूजा के लिए छलनी
7. सफेद फूल चंद्रमा के लिए
8. इस दिन अठावरी भी पूजी जाती है उसके लिए आठ पूरियां और हलुआ या पूड़ा बना लें।

9. सास के लिए कपड़े और श्रृंगार का सामान और उसपर कुछ दक्षिणा भी जरुर रखें.

करवा चौथ के दिन रात के समय चंद्रमा की पूजा कर पति की लंबी उम्र की कामना की जाती है। इसके लिए एक छलनी लें और एक दीपक जला लें इसके बाद छलनी से पहले अपने चांद को देखें इसके बाद अपने पति का चेहरा देखें। फिर उनकी आरती उतारें और इसके बाद उनके हाथों से पानी पीएं। साथ ही कुछ मीठा भी खाएं। ताकी आपके दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहे।

करवा चौथ पर बना है यह शुभ संयोग, इस समय चंद्रमा की पूजा करना होगा बेहद शुभ

करवाचौथ का व्रत कार्तिक माह की कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को मनाया जाएगा। इस साल करवाचौथ का व्रत 13 अक्टूबर को रखा जाएगा।

करवा चौथ 2022की पूजा के लिए शुभ मुहूर्त

रोहिणी नक्षत्र में चंद्रमा की पूजा करना बेहद शुभ फलदायी माना जाता है। करवाचौथ के दिन शाम में रोहिणी नक्षत्र 6 बजकर 41 मिनट पर लग रहा है तो ऐसे में इस समय के बाद पूजा करना लाभकारी रहेगा। दरअसल, रोहिणी चंद्रमा की सबसे प्रिय पत्नी हैं। चौथ तिथि का आरंभ 12 अक्टूबर को रात में 2 बजे से चतुर्थी तिथि का आरंभ होगा और 13 तारीख में मध्य रात्रि 3 बजकर 09 मिनट पर समाप्त होगी।

करवा चौथ पर सिद्ध योग का निर्माण हो रहा है। साथ ही इस दिन की शुरुआत सर्वार्थ सिद्धि योग से हो रही है। वहीं इस दिन शुक्र और बुध दोनों एक राशि यानी कन्या राशि में रहेंगे इसलिए इस दिन लक्ष्मी नारायण योग का निर्माण भी हो रहा है। साथ ही बुध और सूर्य बुधादित्य योग का भी निर्माण कर रहे हैं। वहीं गुरु और बुध अपनी स्वराशियों में स्थित होंगे। इस दिन चंद्रमा अपनी उच्च राशि वृषभ में रहेंगे। इसलिए कुलमिलाकर इस दिन 5 विशेष संयोग बन रहे हैं। जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया है।

करवा चौथ व्रत की पूजा विधि

1. करवाचौथ के दिन महिलाएं सुबह जल्दी उठकर स्नान आदि कर लें। इसके बाद व्रत को पूरे विधि विधान के साथ करने का संकल्प लें।

2. स्नान आदि के बाद इस दिन सबसे पहले शिव परिवार की पूजा करें और निर्जला व्रत रखें।

3. साथ ही ध्यान रखें की सुहागन महिलाएं इस दिन सोलह श्रृंगार जरुर करें।

4. इसके बाद घर के उत्तर पूर्व दिशा में करवा माता की मूर्ति स्थापित करें या फिर बाजार ले लाया हुआ कैलेंडर दीवार पर लगा दें।

5. माता गौरी को लाल चुनरी और सुहाग का सामान भी अर्पित करें। साथ ही मां गौरी के सामने एक मिट्टी के कलश में पानी भरकर रख दें। इसके बाद पूरे विधि विधान के साथ शिव परिवार की विधिपूर्वक पूजा करें।

6. इसके बाद अपनी सास को श्रृंगार का सामान कपड़े और कुछ दक्षिणा रखकर सामान भेंट करें। साथ में खाना और कुछ मीठा भी जरूर रखें।

7. रात में चंद्रमा को देखकर ही सबसे पहले अर्घ दें और फिर छलनी से पहले चंद्रमा को देखें और फिर अपने पति को देखकर व्रत खोले।

करवाचौथ व्रत का महत्व

पति की लंबी उम्र के लिए सुहागिन महिलाएं निर्जला व्रत करती हैं। करवा चौथ का व्रत में मां पार्वती की पूजा की जाती है और उनसे अखंड सौभाग्य की कामना की जाती हैं। इस व्रत में माता गौरी के साथ साथ भगवान शिव और कार्तिकेय और भगवान गणेश की भी पूजा अर्चना की जाती है। इस व्रत में मिट्टे के करने का बहुत महत्व है। इसे किसी ब्राह्मण या फर किसी सुहागन महिला को दान में दिया जाता है।

कार्तिक मास में इन 7 सरल उपाय से प्रसन्न होंगे भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी, बरसेगी विशेष कृपा

कार्तिक मास भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी को समर्पित है। इस महीने में भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की विशेष पूजा की जाती है। कार्तिक मास पुण्य मास है। कथाओं के अनुसार, कार्तिक मास में नियम का पालन करने से एक विधवा महिला देवी रुकमणी हुई थी और उन्हें देवी लक्ष्मी का स्थान प्राप्त हुआ था। कार्तिक मास का शास्त्रों में जो वर्णन है उसका गुणगान ही नहीं किया जा सकता है। इस महीने में भगवान विष्णु मत्स्य रूप में जल में वास करते हैं जबकि उनका वामन अवतार पाताल में निवास करता है। इसलिए गंगा तट पर लोग कल्पवास भी करते हैं। कहते हैं जो कल्पवास करते हैं उन्हें पुनर्जन्म में नहीं फंसते हैं।

कार्तिक मास में दीपदान करें

इस माह में भगवान विष्णु, माता लक्ष्मी, यमदेव और पीपल देव के समक्ष दीप जलाने से सभी तरह के संकटों से मुक्ति मिलती है। साथ ही घर में सुख शांति बनी रहती है। इसके अलावा जो लोग नदी में दीप प्रवाहित करते हैं तो उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है।

नदी में जाकर स्नान करना

स्नान सूर्योदय के पहले स्नान करें नदी और तालाब के पास रहते हैं तो वहां जाकर करें अगर वहां नहीं जा सकते हैं तो घर में गंगाजल मिलाकर स्नान करें। इस में स्नान करना दूध के सामान स्नान करने के बराबर है।

लक्ष्मी स्त्रोत का पाठ रहेगा उत्तम फलकारी

कार्तिक महीने में लक्ष्मी स्त्रोत, कनकधारा स्त्रोत अथवा विष्णु स्त्रोत का पाठ करना विशेष फलदायी माना गया है। ऐसा करने से देह त्याग के बाद उत्तम लोक में स्थान मिलता है और जब तक धरती पर रहते हैं समृद्धि और सुख प्राप्त होता है। कार्तिक नियमों का पालन करने वालें पुनर्जन्म लेते हैं तो उन्हें उत्तम कुल परिवार में स्थान मिलता है और सुख में जीवन जीते हैं।

तुलसी में दूध मिलाकर दें जल

कार्तिक मास में सुबह शाम तुलसी की जड़ में जल में दूध मिलाकर देना चाहिए और उसके आसपास सफाई करनी चाहिए। सुबह शाम घी का दीपक जलाएं। भगवान विष्णु को जो भी भोग लगाएं उसमें तुलसी का पत्ता जरूर रखें। इसके बिना भगवान विष्णु भोग स्वीकार नहीं करते हैं। साथ ही कार्तिक मास में देवप्रबोधनी एकादशी पर तुलसी विवाह करना भी बहुत उत्तम फलकारी रहता है।

भगवान विष्णु को तिल करें अर्पित

कार्तिक मास में नियमित रूप से भगवान विष्णु को तिल अर्पित करने चाहिए। यूं तो सालभर तिल अर्पित करते हैं अच्छा है लेकिन, अगर ऐसा नहीं कर पाता है तो कार्तिक मास और माघ मास में ऐसे करना उत्तम रहता है। ऐसा करने से जाने अनजाने में किए गए पापों से मुक्ति मिलती है और सद्गति प्राप्त होती है।

तुलसी की मिट्टी से करें ये उपाय

कार्तिक मास में नियमित रूप से जब भी तुलसी में जल देते हैं या उसकी पूजा करते हैं तो तुलसी की मिट्टी लेकर उसका तिलक करने से मनुष्य के सभी पाप शय हो जाते हैं और विवेक और बुद्धि का विकास होता है।

कार्तिक मास में दान करें अन्न

कार्तिक मास में अन्न और वस्त्र का दान करना अति उत्तम माना जाता है। अगर आप कुछ नहीं कर पाते हैं तो अन्न और वस्त्र का दान जरूर करें ऐसा करने से वह अगले जन्म में गरीब पैदा नहीं होता है और उसे परलोक में भी अन्न और जल की कमी भी नहीं रहती है।

WWW.1BIGA.COM

फार्म हाउस की बुकिंग पर पाए
5 kw का सेपरेट सोलर सिस्टम

मात्र ₹200/- प्रति Sqft

Size 27500 Sq.ft

SPECIAL OFFER

BENEFITS

- नेशनल हाइवे से 400 मीटर
- Choral से 9km
- बड़वाह से 9km पहले
- इंदौर शहर से 1 घटें की दूरी पर

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाइवे से 400 मी. की दूरी पर
Web. : www.1biga.com

More information call us
8889066688, 6268319125

WWW.1BIGA.COM

फ्री फॉर्म हाउस
दिवाली धमाका

3000 sq ft फॉर्म हाउस फ्री

SPECIAL OFFER

BOOKING NOW
www.1biga.com

Terms & Condition Apply

इंदौर-इच्छापुर नेशनल हाइवे से 400 मी. की दूरी पर
Web. : www.1biga.com

More information call us
8889066688, 6268319125

BLACKBERRY HILL'S

फार्म लेंड मात्र
651/- Sq.ft. से शुरु

इस दिवाली
कुछ नया हो जाये...
ख़रीदे अपना खुद का
फार्म हॉउस

BANK LOAN AVAILABLE

SPECIAL BONUS OFFER

FREE
विदेश यात्रा

TVS JUPITER

iphone 13 max pro

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

BLACKBERRY HILL'S

SPECIAL BONUS OFFER

PLAN YOUR HOLIDAY IN
NATURAL PLACES

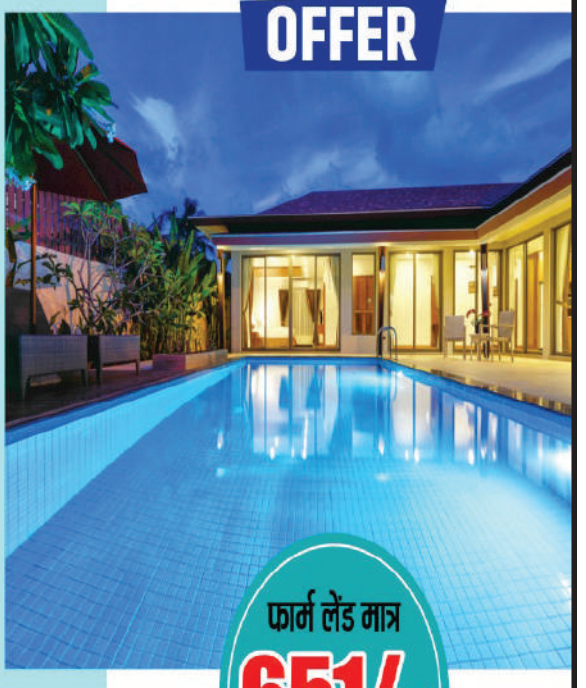

FEATURES

- CCTV कैमरे एवं 24 घटें सिक्योरिटी के साथ पूर्ण रूप से सुरक्षित
- फाउंटेन, गजीबो, लैंड स्केपिंग गार्डन, जॉगिंग ट्रैक
- सोलर स्ट्रीट लाइट एवं गार्डन लाइट
- क्लब हाउस, स्वीमिंग पुल, मेडिटेशन रूम, गेम जोन
- आउटडोर किचन और कॉटेज सुविधा के साथ।

फार्म लेंड मात्र
651/- Sq.ft. से शुरु

BANK LOAN AVAILABLE

8889066688, 6268319125 | www.gatewayghar.in

सलमान-चिरंजीवी की गॉडफादर का धमाका, 5 वें दिन की करोड़ों की कमाई

सलमान खान और चिरंजीवी की फिल्म गॉडफादर बॉक्स ऑफिस पर रिलीज के पहले दिन से ही धमाल मचा रही है. फिल्म को रिलीज हुए पांच दिन बीत चुके हैं, मगर अब तक फिल्म की कमाई की रफ्तार में कोई कमी नहीं आई है. गॉडफादर ने रिलीज के पांचवें दिन रविवार को भी बॉक्स ऑफिस पर शानदार कलेक्शन किया. गॉडफादर की धुआंधार कमाई को देखकर फिल्म निर्माताओं का उत्साह और बढ़ गया है. तेलुगू और हिंदी दोनों ही भाषाओं में फिल्म खूब पसंद की जा रही है.

5वें दिन इतना रहा गॉडफादर का कलेक्शन

मोहन राजा के निर्देशन में बनी फिल्म गॉडफादर एक पॉलीटिकल एक्शन फिल्म है. कोनिडेला प्रोडक्शन कंपनी के बैनर तले राम चरण और आरबी चौधरी द्वारा निर्मित गॉडफादर ने रिलीज के पांचवें दिन लगभग 50 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया. फिल्म अब 100 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है. गॉडफादर में चिरंजीवी और सलमान खान के अलावा नयनतारा भी मुख्य भूमिका में हैं.

600 स्क्रीन से ज्यादा पर रिलीज हुई है फिल्म

गॉडफादरने रिलीज के चौथे दिन दुनियाभर में लगभग 51 करोड़ रुपये की कमाई की थी. फिल्म की कहानी फिल्म के निर्देशक मोहन राजा ने ही लिखी है. गॉडफादर को 600 से भी ज्यादा स्क्रीन मिले हैं. सलमान खान ने फिल्म में कैमियो किया है और बताया जाता है कि इस फिल्म में काम करने के लिए उन्होंने पैसे भी नहीं लिये हैं.

KBC में अमिताभ ने खोला वो राज जो अब तक किसी को नहीं पता! हुए इमोशनल, रोते हुए बोले- कभी नहीं भूल पाऊंगा

11 अक्टूबर को अमिताभ बच्चन का बर्थडे है. ऐसे में बिग बी की वाइफ जया बच्चन और लाडले बेटे अभिषेक बच्चन केबीसी के मंच पर पहुंचकर अमिताभ को खास सरप्राइज देने वाले हैं. शो में अमिताभ बच्चन अपनी जिंदगी के कुछ खास पलों को दोहराते दिखने वाले हैं, जिसकी झलक आपको नए प्रोमो में देखने को मिलेगी.

बॉलीवुड के मेगास्टार अमिताभ बच्चन टीवी की दुनिया के भी शहंशाह हैं. कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर अमिताभ बच्चन अपने खास अंदाज से कंटेस्टेंट्स समेत फैंस को भी खूब एंटरटेन करते हैं. अब अमिताभ बच्चन के बर्थडे के स्पेशल एपिसोड में केबीसी के मंच पर अभिषेक बच्चन और जया बच्चन पहुंचेंगे.

अमिताभ ने खोला जिंदगी का राज

11 अक्टूबर को अमिताभ बच्चन का बर्थडे है. ऐसे में बिग बी की वाइफ जया बच्चन और लाडले बेटे अभिषेक बच्चन केबीसी के मंच पर पहुंचकर अमिताभ को खास सरप्राइज देने वाले हैं. अमिताभ के बर्थडे स्पेशल एपिसोड के कई वीडियोज सामने आ चुके हैं. शो में अमिताभ बच्चन अपनी जिंदगी के कुछ खास पलों को दोहराते दिखने वाले हैं,

रद्द होगा तीसरा वनडे? दिल्ली में लगातार बारिश, कैसे होगा भारत-अफ्रीका मैच

टीम इंडिया ने रांची में खेले गए सीरीज के दूसरे वनडे मुकाबले में साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराया. इसी के साथ तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 की बराबर हुई. अब सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला मंगलवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होना है. मगर पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में लगातार बारिश हो रही है..

टीम इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज 1-1 की बराबरी पर है. सीरीज का दूसरा वनडे मैच रविवार (9 अक्टूबर) को रांची में खेला गया, जिसमें श्रेयस अय्यर और ईशान किशन की आतिशी पारी के बदौलत भारतीय टीम ने 7 विकेट से जीत दर्ज की.

अब सीरीज का आखिरी और निर्णायक मुकाबला मंगलवार (11 अक्टूबर) को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होना है. मगर इस मुकाबले पर अभी से संकट के बादल मंडराने लगे हैं. दरअसल, पिछले कुछ दिनों से दिल्ली में लगातार बारिश हो रही है. धूप का नामोनिशान नहीं है.

स्टेडियम मैनेजमेंट के सामने ग्राउंड सुखाने की चुनौती

ऐसे में स्टेडियम मैनेजमेंट के सामने मैदान को सुखाने की चुनौती रहेगी. मैदान को खेलने लायक बनाने के लिए थोड़ी देर के लिए कड़ी धूप बेहद जरूरी रहेगी. सीरीज का पहला मैच लखनऊ में हुआ था. वहां भी तेज बारिश हुई थी, लेकिन ग्राउंड को कुछ ही घंटों में सुखा लिया गया था. इसका कारण था कि इस नए स्टेडियम में ड्रेनेज व्यवस्था काफी अच्छी है. साथ ही स्लोप भी शानदार है.

मंगलवार को बारिश की आशंका 40 प्रतिशत रहेगी

मगर अब ग्राउंड को सुखाने की चुनौती डीडीसीए अरुण जेटली स्टेडियम की रहेगी. देखना होगा कि वह कैसे इस ये सब कर पाएंगे? वैसे इसके लिए भी बारिश का बंद होना जरूरी है, लेकिन, ष्व्ह2द्गड्डह्लद्धद्गह्न की रिपोर्ट की मानें तो ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है. मंगलवार को 40 प्रतिशत तक बारिश का पूर्वानुमान है.

मंगलवार के दिन दिल्ली में पूरी तरह से बादल छाए रहने की संभावना भी 61 प्रतिशत है. यानी धूप निकलने की उम्मीद बेहद कम है. हवाओं की गति भी 20 किमी प्रति घंटा रहेगी. अधिकतम तापमान 29 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 21 डिग्री सेल्सियस रहने का पूर्वानुमान किया गया है.

18 साल की उम्र में शेफाली वर्मा ने रचा इतिहास, ञ20 क्रिकेट में ये बड़ा रिकॉर्ड बनाने वाली पहली खिलाड़ी

शेफाली वमा ने एशिया कप में बांग्लादेश के खिलाफ ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी की. इसी के साथ उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. टी20 क्रिकेट में ये रिकॉर्ड बनाने वाली वह पहली खिलाड़ी बनीं हैं.

एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ हारने के बाद भारतीय महिला क्रिकेट ने बांग्लादेश के शानदार वापसी की. भारतीय टीम ने बांग्लादेश को 59 रनों से हरा दिया. भारत की तरफ से स्टार ओपनर शेफाली वर्मा ने कमाल का खेल दिखाया. उन्होंने मैच में तूफानी पारी खेली. इसी के दम पर उन्होंने एक बड़ा रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया. आइए जानते हैं, उस रिकॉर्ड के बारे में.

शेफाली वर्मा ने किया कमाल

बांग्लादेश के खिलाफ शेफाली वर्मा ने कमाल का प्रदर्शन किया. उन्होंने 44 गेंदों में 55 रन बनाए, जिसमें 5 चौके और 2 लंबे छक्के शामिल थे. इसके अलावा उन्होंने गेंदबाजी में धार दिखाते हुए दो विकेट हासिल किए. उनके ऑलराउंड प्रदर्शन की वजह से ही टीम इंडिया जीत हासिल करने में कामयाब रही. उन्होंने मैच में बहुत ही ताबड़तोड़ बैटिंग की और तूफानी फिफ्टी लगाई.

बनाया ये बड़ा रिकॉर्ड

बांग्लादेश के खिलाफ हाफ सेंचुरी लगाते ही शेफाली वर्मा ने टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में अपने 1000 रन पूरे कर लिए हैं. उन्होंने 18 साल और 253 दिन में इस बड़े मुकाम छुआ है. इसी के साथ टी20 इंटरनेशनल क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली सबसे युवा खिलाड़ी बन गईं हैं. उन्होंने अपने देश की ही जेमिमा रोड्रिग्ज को पीछे छोड़ा. उन्होंने 21 साल 32 दिन की उम्र में 1000 टी20 इंटरनेशनल रन पूरे किए थे.

11 अक्टूबर को शिवमय होगा पूरा मध्यप्रदेश

पीएम मोदी करेंगे महाकाल लोक का लोकार्पण

महाकाल लोक में पीएम के सामने 700 कलाकार देंगे परफॉर्मेंस

800 करोड़ से अधिक राशि से बन रहे महाकाल लोक (पहले फेज) के लोकार्पण के लिए पीएम मोदी उज्जैन पहुंच रहे हैं। पीएम मोदी इसे मंगलवार को श्रद्धालुओं को समर्पित करेंगे। पीएम के आगमन पर शहर को सजा दिया गया है, तो वहीं महाकाल लोक के अवलोकन के दौरान उन्हें अलग-अलग प्रदेशों की सांस्कृतिक झलक भी देखने को मिलेगी। इसके लिए मध्यप्रदेश, गुजरात, झारखंड, केरल सहित 6 राज्यों की टीम उज्जैन दो दिन पहले ही पहुंच चुकी है।

पीएम मोदी मंगलवार शाम 6 बजे के लगभग महाकाल मंदिर पहुचेंगे। इस दौरान वे गर्भगृह से दर्शन कर 6.30 बजे महाकाल लोक का लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान 200 संत भी कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। इस दौरान वे संतों से मुलाकात भी करेंगे। इसके बाद पीएम महाकाल लोक का अवलोकन करेंगे। हालांकि, अभी तक के कार्यक्रम के अनुसार पीएम इलेक्ट्रिक व्हीकल से अवलोकन करने जाएंगे, लेकिन कुछ जगह सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने के लिए पीएम गाड़ी से उतरकर कुछ दूर पैदल चल कर जायजा ले सकते हैं। इस दौरान करीब 700 कलाकार महाकाल लोक में अलग-अलग स्थानों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति देंगे।

6 राज्यों के 700 कलाकार पीएम के सामने देंगे प्रस्तुति

पीएम द्वारा महाकाल अवलोकन के दौरान मध्यप्रदेश की मालवा संस्कृति का नृत्य, गुजरात का गरबा, झारखंड के ट्राइबल एरिये से आए कलाकार भस्मासुर, केरल के कलाकार कथक और आंध्र प्रदेश के कलाकार कुचिपुड़ी नृत्य की प्रस्तुति देंगे। सभी कलाकार उज्जैन पहुंच चुके हैं और अब अंतिम रिहर्सल कर मंगलवार को पीएम के सामने प्रस्तुति देंगे।

झारखंड के आदिवासी भस्मासुर की प्रस्तुति देंगे

झारखंड के ट्राइबल एरिये से आए 12 कलाकार पीएम मोदी के सामने अपनी सांस्कृतिक परम्परा भस्मासुर की प्रस्तुति देंगे। भावेश कला केंद्र खरसावां से टीम दो दिन पहले उज्जैन पहुंच चुकी है। इसमें परमानंद, मछावा, सोनू लोहार, सुखराम, सोनिया, सुमि नमक कलाकार महाकाल लोक में अंतिम दौर की रिहर्सल कर रहे हैं।

ईद के जुलूस में सिर तन से जुदा के नारेञ्खंडवा में हिंदू संगठनों ने जताया ऐतराज, कार्रवाई की मांग

खंडवा में ईद मिलादुन्नबी के जुलूस में %सिर तन से जुदा... के आपत्तिजनक नारे लगे है। इन नारों के लगते ही पुलिस अलर्ट हो गई। तत्काल मौके पर पहुंची, तो नारे लगना बंद हो गए। समाज के वरिष्ठ लोगों ने युवकों को समझाया। इसके बाद इसी जुलूस में हिंदू युवक के मुस्लिम प्रतीकों वाला झंडा लेकर चलने पर उसके परिजनों ने उसे फटकार लगा दी। इस दौरान विवाद की स्थिति बनी, लेकिन पुलिस ने मामला शांत करा दिया। इधर जुलूस में लगे आपत्तिजनक नारों पर हिंदू संगठनों ने आपत्ति जताई, उन्होंने कार्रवाई की मांग को लेकर पुलिस अधीक्षक के नाम एक ज्ञापन भी सौंपा।

रविवार को ईद मिलादुन्नबी पर निकाले गए जुलूस में हजारों की संख्या में मुस्लिम समाजजन शामिल हुए। करीब 2 किलोमीटर लंबे जुलूस में भव्य आतिशबाजी की गई। जगह-जगह से मंच बनाकर फूल बरसाए गए। मुख्य मार्गों से निकले जुलूस में पुलिस फोर्स भी तैनात रही। कई जगह बैरिकेडिंग की गई थी। जुलूस इमलीपुरा से होते हुए रेलवे स्टेशन, बॉम्बे बाजार, घंटाघर, नगर निगम से जलेबी चौक पहुंचा।

पैगंबर मोहम्मद का हुआ था जन्म

ईद-मिलादुन्नबी का दिन इस्लाम धर्म में बहुत ही महत्वपूर्ण माना जाता है। इस दिन को अल्लाह की इबादत का खास मौका माना जाता है। लोग घर और मस्जिदों में पाक कुरान पढ़ते हैं। जुलूस निकालते हैं और जकात करते हैं। नमाज और मोहम्मद साहब के संदेशों को पढ़ने के साथ ही लोगों को दान दिया जाता है। कहते हैं- इस दिन कुरान के पढ़ने से अल्लाह का रहम बरसती है।

इंदौर और उज्जैन के इलाकों में भारी बारिश

हफ्तेभर का अलर्ट; ग्वालियर-चंबल में पार्वती-सिंध उफनाई, बांध लबालब

मध्यप्रदेश से मानसून जल्द रवाना नहीं होगा। मौसम विभाग ने हफ्तेभर पानी गिरने का अलर्ट जारी किया है। इंदौर-उज्जैन के कुछ इलाकों में दोपहर से भारी बारिश हो रही है। ग्वालियर-चंबल में 4 दिन से हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। यहां अक्टूबर में अगस्त-सितंबर की बारिश जैसे हालात हैं। शिवपुरी में बारिश के कारण मड़ीखेड़ा बांध लबालब है। बांध का पानी अमोला पुल तक भरा हुआ है। पानी से पुल के सारे पिलर डूब गए हैं। 1.344 किमी लंबा अमोला पुल जिले का सबसे बड़ा पुल है। ग्वालियर में तिघरा बांध भी लबालब है।

मौसम विभाग का कहना है कि अगले 1 हफ्ते तक प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश के आसार हैं। राजस्थान में बने सिस्टम से द्रोणिका अरब सागर जा रही है। अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से मध्यप्रदेश को लगातार नमी मिल रही है। इससे ग्वालियर-चंबल में स्ट्रॉन्ग सिस्टम बन रहा है। यहां अच्छी बारिश होने की यही वजह है।

` 2 दिन भोपाल में अच्छी बारिश के आसार

मौसम विभाग ने भोपाल के 5 इलाकों में अगले 48 घंटे अच्छी बारिश होने की संभावना जताई है। इस दौरान शहर के नवीबाग, बैरसिया, अरेरा हिल्स, बैरागढ़ और कोलार में सोमवार और मंगलवार को कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।

ये सिस्टम करा रहा बारिश...

मौसम वैज्ञानिक एचके पांडे ने बताया कि अभी जो सिस्टम बन रहा है, उससे अगले 3 दिन तक बारिश का पूर्वानुमान है। हवाओं की रफ्तार दक्षिण-पूर्वी होने से अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से लगातार नमी मिल रही है। यही सिस्टम ग्वालियर-चंबल में एक्टिव होकर अच्छी बारिश करा रहा है। इसके बाद बंगाल की खाड़ी में बना नया सिस्टम एक्टिव होने लगेगा। यह बहुत स्ट्रॉन्ग है। इस सिस्टम से पहले ओडिशा और फिर छत्तीसगढ़ में बारिश होगी। इसके बाद यह मध्यप्रदेश में 12 अक्टूबर से असर दिखाना शुरू करेगा। सिस्टम स्ट्रॉन्ग होने से तीन से चार दिन अच्छी बारिश के आसार हैं।

15 अक्टूबर तक यहां ज्यादा बारिश

मध्यप्रदेश में दूसरे सिस्टम से ग्वालियर, चंबल, भोपाल, इंदौर और उज्जैन में अच्छी बारिश के आसार हैं। मौसम विभाग के अनुसार 12 से 15 अक्टूबर तक ग्वालियर, चंबल के इलाकों में अधिक पानी गिरेगा। इसके अलावा बुंदेलखंड और मालवा-निमाड़ में कहीं-कहीं अच्छी बारिश हो सकती है।

सीएम ने दिए बारिश से खराब फसल के सर्वे के निर्देश

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बारिश से खराब फसलों के सर्वे के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा- बेमौसम बरसात के कारण कई जगह हमारे किसान भाइयों की फसलों को क्षति पहुंची है। वे चिंता न करें, सरकार उनके साथ खड़ी है। मैंने प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जहां किसानों की फसलों का नुकसान पहुंचा है, वहां तत्काल सर्वे का काम प्रारंभ करें। हम सर्वे भी करेंगे और राहत की राशि भी किसान को देंगे। किसानों को फसल बीमा का लाभ मिले, इसके लिए आवश्यक तैयारियों के निर्देश दिए हैं।

श्री माताजी निर्मला देवी - एक महिला जिसने मानवता के लिए जीवन समर्पित किया

देश के स्वतंत्र आंदोलन के दौरान, कई युवा महात्मा गांधी के विचारों द्वारा प्रेरित थे और देश स्वतंत्र करने आंदोलन में शामिल हुए, जिसमें उनके आश्रम में रहने वाली एक युवा लड़की भी शामिल थी, जो बाद में हमारे देश की दिव्य महिला, श्री माताजी निर्मला देवी के रूप में आज भी जानी जाती है।

जन कल्याण के लिए जीवन का समर्पण

47 साल की उम्र में अपने इस मजबूत व्यक्तित्व के साथ, निर्मला देवी ने आत्म-साक्षात्कार की पेशकश करने की एक तकनीक विकसित करने का फैसला किया जिस से जन कल्याण हो सके।

वह सकारात्मक ऊर्जा जो उन्होंने ने अपने आध्यात्मिक विचारों से प्राप्त की उसी के द्वारा कई व्यक्तियों के व्यक्तित्व का पोषण मिला है। उसने ध्यान की भावना के माध्यम से लोगों को जीवन के वास्तविक अर्थ की पहचान करने में मदद की।

योग जागरण और प्रसार

श्री निर्मला देवी द्वारा शुरू किया गया एक दिव्य आंदोलन, योग जागरण और प्रसार का संचालन आत्म-साक्षात्कार की विधि है जिसके परिणामस्वरूप नैतिक, एकीकृत और संतुलित व्यक्तित्व बनते हैं। इस विनम्र महिला ने अपनी बेहतरी के लिए लोगों के बीच ध्यान की आध्यात्मिक शक्ति फैलाने के लिए अपना समय और धन खर्च किया।

वह पूरी तरह से अन्य धोखेबाज गुरुओं के विपरीत था जो आध्यात्मिकता विश्वास करने वालो लोगो साथ धार्मिकता के नाम पर धोखाधड़ी करते हैं साथ ही इससे पैसा कमाते हैं।

उन्होंने ना तो अपने व्याख्यान के लिए और न ही अपने कौशल के लिए आत्म-साक्षात्कार फैलाने का दोष लगाया। उनका मानना था कि जीवन में सीखना हर किसी का जन्म से अधिकार होता है और इसे मुफ्त में दिया जाना चाहिए।

सहज योग की शक्ति का प्रसार

भारत में अपना अच्छा काम करने के बाद, उन्होंने सहज योग की शक्ति का प्रसार करने के लिए कई अन्य देशों में उड़ान भरी। लोगों की कुल राशि, जाति, धर्म, सामाजिक स्थिति के बावजूद, उम्र ने भाग लिया और उनकी शिक्षाओं का पालन किया।

सहज योग केंद्र अब दुनिया भर के लगभग 100 देशों से अधिक में स्थापित हैं, जिनमें मुख्य रूप से शामिल हैं ङ्क अमेरिका, यूरोप, ऑस्ट्रेलिया, एशिया और प्रशांत क्षेत्र।

उन्होंने लाइव दर्शकों को व्याख्यान देने के अलावा, श्री माताजी निर्मला देवी ने टेलीविजन, रेडियो और समाचार पत्रों जैसे अन्य मीडिया चैनलों के माध्यम से भी अपने विचारो का प्रसार किया।

गैर-लाभकारी संगठन और गैर-सरकारी संगठन

मानवीय कष्टों को दूर जीवन सफल और सुखद बनाने के अपने जुनून के साथ, श्री निर्मला देवी ने पूरे विश्व में गैर-लाभकारी संगठनों और गैर-सरकारी संगठनों की भी शुरुआत की।

विश्व के लगभग 100 से अधिक देशो में इनकी सखाये आज भी चल रही है, जो निरन्तर, निःस्वार्थ मानव सेवा में लगी रहती है।

उसके कुछ प्रमुख प्रतिष्ठान हैं

निर्मला देवी द्वारा दुनिया के विभिन्न हिस्सों में गैर-लाभकारी संगठन स्थापना की गई।

सहज योग तकनीकों के माध्यम से कई असाध्य रोगों का इलाज करने के लिए मुंबई में एक अंतर्राष्ट्रीय अस्पताल जटिल बीमारीयो को ठीक करने के लिए सहज योग विधियों के प्रभाव का अध्ययन करने के लिए मुंबई में कैंसर रिसर्च सेंटर संचालित है।

शास्त्रीय संगीत के सार को फैलाने के लिए नागपुर में अंतर्राष्ट्रीय संगीत संस्थान, यह संस्थान अब वैतरण में स्थानांतरित कर दिया गया है

दिल्ली में एक चैरिटी संस्था ने अपने जीवन के बेहतर लोगों के लिए भोजन, आश्रय और सहज योग शिक्षा प्रदान करके वंचित लोगों की मदद करने के लिए चलाया जा रहा है।

95 से अधिक देशों में ध्यान एवं योग केन्द्र स्थापित है

श्री माताजी निर्मला देवी ने चालीस वर्ष से अधिक निरंतर मानव सेवा, उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अनेक यात्रा की, निशुल्क सार्वजनिक व्याख्यान और सभी को आत्मज्ञान प्राप्ति का अनुभव प्रदान किया। चाहे वह किसी भी जाति, धर्म या परिस्थिति की हो उन्होंने कभी किसी में भेदभाव नहीं किया।

उन्होंने न केवल लोगों को इस मूल्यवान अनुभव को दूसरों पर पारित करने के लिए सक्षम किया, बल्कि उन्हें इसे बनाए रखने के लिए आवश्यक ध्यान तकनीक सिखाई, जिसे सहज योग के रूप में जाना जाता है।

श्री माताजी निर्मला देवी ने मानवता की भलाई और करुणा के लिए अपना पूरा जीवन खुशी से समर्पित कर दिया। 23 फरवरी, 2011 को उनका निधन हो गया। हालांकि यह गौरवशाली महिला हमारे बीच नहीं है, लेकिन वह अपनी शिक्षाओं और सद्भावना कार्यों के कारण हमेशा हमारे बीच अमर रहेंगी।

आपका चयन ही आपका भविष्य और भाग्य है

किसी सफल सुखी और संपन्न व्यक्ति को देख कर पहली दफा आपके मन में क्या विचार आता है आप सोचते होंगे कि उसका नसीब/भाग्य या कर्म है । मेरा सोचना थोड़ा आपसे अलग है ; आपका भाग्य या नीति या कर्म जो भी कह लीजिए कुछ और नहीं है बल्कि आप का चुनाव है । आपने यदि कोई भविष्य सूचक संकेत को पकड़ते हुए कोई काम करने का फैसला किया है तो निश्चित ही आप ना केवल सफल होंगे बल्कि आपके लिए आगे ऐसे भविष्य सूचक संकेतों की शृंखला खुलेगी जो आपका भाग्य निर्धारण करेगी । कुछ वर्षो पूर्व मैं कल्पना में खोए रहने वाला एक भविष्यवादी छात्र था ; जिसे कुछ भी नहीं पता था कि करना क्या है ? मुझे भविष्य सूचक संकेतों के रूप में कुछ अच्छे संकेत मिले , मैंने अपनी चयनात्मक दृष्टि का उपयोग कर एक उचित मार्ग का चयन किया और अब आज जो कुछ भी हूं उसी चयन का नतीजा हुं। यानी कि मेरे चयन ने ही मेरी नियति का निर्धारण किया । यदि मैं उन भेड़ों की भांति चलता जो एक के पीछे एक चलती है तो आज मैं किसी खाई में होता। यदि मैं आज आपके पास मेरे अपने अनुभवों का निचोड़ लेकर आऊं और आपको आपके भविष्य की योजना बताऊं तो 100 में से 99 लोग मुझ में यकीन नहीं करेंगे और वे वही करेंगे जो वे करते रहते हैं और आखिर में वे वही बने रहेंगे जो वे बने रहना चाहते हैं । उनमें अपने भविष्य का चुनाव करने की ना तो हिम्मत है और ना ही कोई उचित दृष्टि है । अभी कुछ दिनों पहले मुझे बीसवीं सदी की 10 सबसे महत्वपूर्ण व प्रभावशाली किताबों में से एक पढ़ने को मिली । ब्राजीलियन लेखक पाउलो कोएल्हो की द अल्केमिस्ट (एक कीमियागर) उसमें जो भी लिखा था चाहे जीवन का कोई भी पहलू रहा हो उसे में पहले से ही जानता था , लेकिन लेखक के सुदृढ़ विचारों ने मुझे और भी सोचने को मजबूर कर दिया ।

किताब बड़ी ही रोमांचक और जीवन की असीम संभावनाओं से भरी पड़ी है । पूरी किताब की कहानी में खजाने की खोज की बातें चलती रहती है लेकिन किताब का केंद्रबिंदु खोजकर्ता आदमी उसी वक्त में उसी धरातल पर जीवन के एक संपूर्ण खजाने के साथ आनंदपूर्वक जी रहा होता है लेकिन वह केवल खजाने में उलझा रहकर उसे ही ढूंढता रहता है ।

कीमियागर या अलकेमिस्ट वो होता है जो अपनी सामर्थ्य और कारीगरी से रांगे को भी सोने में बदल सकता है । ऐसी कीमियागिरी की जानकारी ढेरों संदर्भ में मिलती है ; लेकिन जो जान गया वो समझ गया कि असली कीमियागर तो आपके हाथ ही हैं जो आपकी सोच के मुताबिक आपके भविष्य का निर्माण कर सकते हैं । आपके हाथ ही वो कीमियागर है जो रांगे को सोने में बदल सकते हैं बशर्ते आपमें अपने भविष्य को लेकर बेहतर चयनात्मक योग्यता और अपने चयन को फलीभूत करने की क्षमता हो ।

जैसा कि मैंने इस लेख के शुरुआत में कहा है कि आपके भविष्य का निर्माण आपका चयन ही करता है , और आपका चयन यदि भविष्य सूचक संकेतों को भलीभांति परखते हुए हुआ है ; आपका भविष्य क्या होगा वो आप आज ही निर्धारित कर सकते है । सीधे सरल शब्दों में कहूं तो यदि आपने आज बबूल का पौधा लगाया है और आप मन में यह ख्वाब पाले हैं कि भविष्य में इस पर मीठे और मधुर फल लगेंगे तो आपका चयन ही गलत हुआ । वहीं यदि आपने आम का पेड़ लगाया है तो इस पर भविष्य में मधुर फल लगेंगे और आप भविष्य में उन फलों के स्वाद का आनंद भी लेंगे । दोनों ही बातों में भविष्य में जो भी आपको मिलेगा वह आपके आज के चयन पर निर्धारित था , यानी आपके आज के चुनाव ने ही आपके भविष्य का निर्धारण किया !

हम इंसान बेहद लालची किस्म के लोग होते है । हमे हमेशा किसी खजाने की खोज , खजाना लूटने , खजाना ढूंढने की लालसा रहती है , जबकि हमारा खजाना तो हम स्वयं ही बना सकते है । आप एक बात याद रखे आपके भीतर सृष्टि का प्रारंभिक बीज मौजूद है , जिसमे वटवृक्ष बनने की असीम संभावना है , जिसे आपको बस पानी देकर बड़ा करना है और यह पानी है आपकी सकारात्मक सोच , विनयशील जीवन और आपकी भविष्य सूचक संकेतों को पकड़ने की समझ कि भविष्य में मुझे क्या पाना है और उसके लिए मुझे आज क्या करना है । एक छोटे से छोटा आदमी भी बड़े से बड़ा काम कर सकता है यदि उसके पास एक बड़ी तजुर्बेदार सोच हो । जब हम जीवन की असीम संभावनाओं पर गौर कर रहे होते है जो जीवन हमे सुन रहा होता है , और हमें किसी न किसी माध्यम से भविष्य सूचक संकेत उपलब्ध करवाता है जो आपके लिए जरूरी होता है , वो संकेत किसी दोस्त की कोई बेहतर सलाह हो सकती है , कोई बड़ी कार्ययोजना हो सकती है , या वो संकेत आपके हृदय में सुप्तावस्था में बैठा कोई सकारात्मक विचार भी हो सकता है , इसलिए जीवन में संभावनाओं को प्रबलता को सदैव उच्चतम रखें ।

और आखिर में एक बात याद रखें कि आपका आज का चुनाव ही आपके कल के भविष्य का निर्धारण करता है , इसलिए अपने चयन के प्रति बेहद गंभीर और संवेदी बने रहिए । **आज इतना ही बाकी फिर कभी ।**

- राजेश राणा

(लेखक भारतीय डाक विभाग में कार्यरत हैं और एक प्रेरक वक्ता व कवि है)

हेलमेट अनिवार्य करना कितना सही ?

मेरी सोच से हेलमेट अनिवार्य करना उचित नही है । हेलमेट डराने का हथियार है रेंगता ट्राफिक हर जगह जाम जनता को कानून की आड़ मे लेकर परेशान करना मोटी चालानी वसूली वह भई त्यौहारों के समय जनता अबी कोरोना काल के शिकंजे से मुक्त भी नही हो पाई है जैसे तैसे अपनी रोजी-रोटी जुगाड़ करने के लिए शहरवासी पहले ही परेशान हैं दिवाली के लिए कपड़ा, मिठाई, पूजन सामग्री पटाखे की खरीदी पुलित की तरफ से हेलमेट का चालान भेंट होगा। शहर की जनता दमदार इस बेतुके तानाशाही निर्णय का विरोध करें प्रदेश की भाजपा शिवराज सरकार व पुलिस प्रशासन इस गलत निर्णय को तुरंत वापस ले बहुत से ऐसे कानून है जिनका पालन करना संभव नहीं सभी कानूनों का पालन किया जाता है क्या?सबसे पहले तो हेलमेट पहनने में परेशानी है साइड से दिखाई देना बंद हो जाता है बहुत कम हो जाता है सुनाई कम देता है सुनना बंद हो जाता है। गर्मी में बहुत घबराहट होती है जिससे चालक को परेशानी होती है गर्मी में अधिकांश जगह पर शहरी इलाके में वहान चलाने की सीमा 30 से 40 किलोमीटर ही होती है । शहरी इलाकों में वैसे भी ट्राफिक बहुत होता है गाड़िया धीमी गति से चलती है तो इससे हेलमेट की जरुरत नही होना चाहिए। प्रशासन को इन बातों पर ध्यान देना चाहिए। जनता की सुरक्षा किस में हे जनता को मालूम है जनता को समझाने की जरुरत नही है स्वयं जनता सब समझती है कोई भी व्यक्ति खुद को जानबूझकर परेशानी में नही डालता जनता सब समझती है । जनता के साथ-

म.प्र.प्रमुख
सुरेश चुगवानी (रंजीत टाइम्स)

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक गोपाल गावंडे द्वारा पंकज प्रिन्टर्स एण्ड पैकेजिंग एल.यू.एन.22 सेक्टर एफ सांवेर रोड इण्डस्ट्रीयल एरिया ,इंदौर,म.प्र. एवं जी-1,कॉस्मिक रीजेन्सी 117 गोकुल नगर कनाडिया इंदौर, म.प्र. से प्रकाशित - संपादक गोपाल गावन्डे (पी.आर.बी.) एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार (समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र इंदौर रहेगा)